सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-235
24/05/2017

# समाज के वंचित तबकों के उत्थान में संत गाडगे जी महाराज की अहम भूमिका थी :– मुख्यमंत्री

पटना, 24 मई 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने संत गाडगे जी महाराज के 141वीं जयंती समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संत गाडगे जी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जयंती समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि संत गाडगे जी महाराज की 141वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुझे आमंत्रित करने के लिये श्री नरेन्द्र सिंह उर्फ बोगो सिंह को धन्यवाद देता हूँ। मुझे इस कार्यक्रम में शामिल होकर खुशी हुयी है। आज बेगूसराय में एक और कार्यक्रम में शामिल हुआ। आज डॉ0 पी0 गुप्ता की प्रतिमा का अनावरण किया हूँ। उन्होंने कहा कि संत गाडगे जी महाराज की भूमिका समाज के वंचित तबकों के उत्थान में अहम रहा है। उन्होंने शिक्षा पर जोर दिया था तथा लोगों को इसके लिये प्रेरित किया था। वे गॉव–गॉव जाकर गीत सुनाते थे, लोगों को सीखाते थे, उन्हें प्रेरित करते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत गाडगे जी महाराज गॉव में चले जाते थे। गॉव की पूरी सफाई करते थे, सफाई के बाद गॉव वालों को बधाई देते थे कि उनका गॉव काफी साफ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष चम्पारण सत्याग्रह का सौंवा वर्ष है। साथ ही 2019 में गॉधी जी जयंती का डेढ़ सौंवा साल होगा। गॉधी जी ने स्वच्छता पर जोर दिया था। दक्षिण अफ्रीका के दिनों से ही गॉधी जी स्वच्छता पर जोर देते थे। उन्होंने कहा कि राम मनोहर लोहिया जी के मन में भी स्वच्छता के प्रति जबर्दस्त भाव था। महिलाओं को घर से बाहर शौच जाना पड़ता है, इससे उन्हें काफी दुख होता था। वे इसका जबर्दस्त विरोध करते थे। लोहिया जी, पंडित नेहरू के घोर विरोधी थे। लोहिया जी ने कहा था कि अगर गॉव की महिलाओं को घर से बाहर शौच के लिये जाने से नेहरू जी मुक्त कर देंगे, शौचालय बना देंगे तो मैं उनका विरोध करना छोड़ दूँगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के स्वच्छता मिशन का नाम राम मनोहर लोहिया जी के नाम पर लोहिया स्वच्छता अभियान रखा गया है। उन्होंने कहा कि संत गाडगे जी महाराज ने अपने जीवन में कई प्रकार की कठिनाइयों को झेलते हुये स्वच्छता का अभियान चलाया। लोगों से जो पैसा उन्हें मिलता था, उससे वे शिक्षा के लिये संस्थान तथा गॉव के विकास में लगाते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार प्रदेश सामाजिक अभियान से शुरू से दूर रहा है। बिहार राजनीतिक आन्दोलनों के प्रति सजग रहा। गॉधी जी के चम्पारण सत्याग्रह का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह से देश में आजादी की लड़ाई तेज हुयी। आमजनों का आजादी की लड़ाई से जुड़ाव हुआ। आजादी की लड़ाई ने जन आन्दोलन का स्वरूप लिया। चम्पारण सत्याग्रह के तीस वर्ष के अंदर भारत आजाद हो गया। उन्होंने कहा कि बिहार से अनेक राजनैतिक लड़ाई शुरू हुयी। बिहार हमेशा सता का केन्द्र रहा है। मगध साम्राज्य का भू–भाग आज के भारत से बड़ा था। उन्होंने कहा कि यहॉ के लोगों के मन में राजनीति का भाव है। शिक्षा, स्वच्छता, जन जागृति के क्षेत्र में अन्य जगहों पर ज्यादा आंदोलन हुये। उन्होंने कहा कि अब जरूरत है कि समाज सुधार की तरफ हम जायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में समाज सुधार का बड़ा काम शराबबंदी हुआ है। 2015 में श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल पटना में आयोजित महिलाओं के एक कार्यक्रम में मैं अपना भाषण जैसे ही समाप्त कर बैठा था कि पीछे से महिलाओं ने आवाज दी कि शराबबंदी लागू

कीजिये। मैंने माइक पर पुनः आकर कहा कि अगली बार सता में आऊॅगा तो शराबबंदी लागू करूॅगा। आपने मुझे दोबारा काम करने का मौका दिया। सरकार बनने के बाद शराबबंदी का फैसला लिया। 5 अप्रैल 2016 से पूरे बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की। कुछ लोग शराब पीने को अपनी आजादी से जोड़ते हैं, उसे अपना मौलिक अधिकार से जोड़ते हैं। भारत के संविधान के अनुसार शराब पीना या व्यापार करना मौलिक अधिकार नहीं है। आज शराबबंदी के बाद गॉवों को झगड़ा, झंझट, पारिवारिक हिंसा से निजात मिल गया है। शराबबंदी के बाद बैठक में भाग लेने लिये मैंने बिहार के विभिन्न प्रमण्डलों का भ्रमण किया। साथ ही निश्चय यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों के भ्रमण के क्रम में महिलाओं से पूछता था। एक महिला ने बताया कि पहले शाम को पति शराब पीकर घर आते थे। कमाई का ज्यादा हिस्सा शराब में गंवा देते थे। घर आने पर झगड़ा–झंझट करते थे। देखने में भी क्रूर लगते थे। अब शाम को हंसते हुये आते हैं। सब्जी लेकर आते हैं और देखने में भी अच्छे लगते हैं। उन्होंने कहा कि आज माहौल में परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि जन चेतना के बिना यह सदैव के लिये सफल नहीं होगा इसलिये दो महीने का अभियान चलाया गया। 21 जनवरी को मानव श्रृंखला बनाने का आह्वान किया गया था। मानव श्रृंखला में चार करोड़ लोगों ने भाग लिया। बिहार की आबादी का एक तिहाई हिस्सा मानव श्रृंखला में शामिल हुयी, यह बिहार के लोगों का शराबबंदी के पक्ष में भावना का प्रकटीकरण है। कुछ लोग गोरखधंधा में लगे रहते हैं, उन पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से जो लोगों का पैसा बच रहा है, उससे परिवार का उत्थान हो रहा है, बच्चों की पढ़ाई बेहतर हो रही है। लोग इस राशि का सही उपयोग कर रहे हैं। आज दूध, मिठाई, उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम समाज सुधार की ओर काम करेंगे। शिक्षा पर हमने शुरू से ध्यान दिया। पहले साढ़े बारह प्रतिशत बच्चे स्कूल से बाहर थे। चार लाख शिक्षकों का नियोजन किया गया। 26 से 27 हजार नये प्राथमिक विद्यालय बनाया गया। कई विद्यालयों को उत्क्रमित किया गया, जिससे प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा को बढ़ावा मिला। लड़कियों की शिक्षा का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि पोशाक योजना से मध्य विद्यालयों में लड़कियों की संख्या बढ़ गयी। बालिक साइकिल योजना से उच्च विद्यालय में पढ़ रही लड़कियों की संख्या में वृद्धि हुयी। पहले बेगूसराय, पटना में लड़कियॉ साइकिल चलाते हुये नहीं देखी जाती थी। आज गॉव–गॉव में लड़कियॉ समूह में साइकिल चलाकर स्कूल जाती है। इससे लोगों की सोच एवं मानसिकता बदल गयी। उन्होंने कहा कि बिहार पहला राज्य है, जहॉ पंचायती राज संस्थाओं तथा नगर निकायों में महिलाओं को पचास प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। पुलिस की भर्ती में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब सरकार की सभी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की शिक्षा तथा महिला सशक्तिकरण के लिये सभी काम किया जा रहा है। वर्ग 9 में पढ़ रही छात्राओं का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2007–08 में जहॉ वर्ग 9 में पढ़ रही लड़कियों की संख्या एक लाख 70 हजार थी जो अब बढ़कर नौ लाख हो गयी है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा दे रहे छात्रों में 49 प्रतिशत लड़कियॉ थी। अगर लिंगानुपात के अनुसार देखा जाय तो लड़कियों की संख्या और बढ़ जायेगी। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा परिवर्तन आया है, इसे और आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो और नये काम करना है। बाल विवाह से छुटकारा पाना है। लड़की की शादी 18 वर्ष से पहले और लड़के की शादी 21 वर्ष से पहले नहीं हो। बाल विवाह से बहुत सारी कठिनाइयॉ होती है। बाल विवाह कानून के अनुसार वर्जित है। उन्होंने कहा कि दूसरा सामाजिक कुरीति है दहेज प्रथा। पहले यह सम्पन्न वर्ग के लोगों के बीच प्रचलित था। अब सभी वर्गों में दहेज प्रथा है। यह एक सामाजिक कुरीति है, जिसे दूर करना है। उन्होंने कहा कि गॉधी जी के जन्मदिन 2 अक्टूबर से बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के विरूद्ध सशक्त अभियान चलेगा। उन्होंने लोगों का आह्वान किया अगर आपको मालूम हो

जाय कि विवाह में दहेज लिया गया है तो उस शादी में मत जाइये। उन्होंने कहा कि सिर्फ कहने से नहीं होता है करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बिहार के लेाग मेहनती हैं, हमारी युवा पीढ़ी मेधावी है। पूरे भारतवर्ष में किसी प्रकार की परीक्षा हो, सबसे ज्यादा उतीर्ण होने वाले छात्र बिहार के होते हैं। उन्होंने कहा कि सात निश्चय में से एक निश्चय युवाओं के लिये है आर्थिक हल, युवाओं को बल। उच्च शिक्षा के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि 12वीं से आगे पढ़ने वाले छात्रों की संख्या कम है। बिहार का ग्रॉश इनरॉलमेंट रेशियो 13.9 प्रतिशत है, जिसे हमें कम से कम 30 प्रतिशत से ऊपर ले जाना है। गरीबी के कारण छात्र–छात्रायें आगे नहीं पढ़ पाते हैं। 12वीं से आगे पढ़ने वाले इच्छुक छात्र–छात्राओं के लिये स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की शुरूआत की गयी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत लोन के मूल राशि के साथ–साथ सूद पर भी सरकार गारंटी देगी। आप आगे पढ़िये। उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल विकास के लिये कुशल युवा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत युवाओं को कम्प्यूटर शिक्षा, संवाद कौशल, व्यवहार कौशल का प्रशिक्षण दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सरकारी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रों को मुक्त वाई–फाई की सुविधा दी जा रही है। साथ ही इच्छुक युवाओं को अपना उद्योग लगाने में सहायता करने के लिये पॉच सौ करोड़ रूपये का वेंचर कैपिटल फंड स्थापित किया गया है। युवाओं को शिक्षा के अवसर उपलब्ध हों, इसके लिये विभिन्न संस्थान खोले जा रहे हैं। हर जिला में इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉच नये मेडिकल कॉलेज, सभी अनुमण्डलों में आई0टी0आई0, जिला में जी0एन0एम0 तथा लड़कियों के लिये आई0टी0आई0, सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग कॉलेज खोले जा रहे हैं। जो जिस क्षेत्र में पढ़ना चाहे, उसमें पढ़ सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्सिंग की पूरे देश में जरूरत है। बिहार में सबसे ज्यादा नर्सिंग के क्षेत्र में काम करने वाली महिलायें बेगूसराय की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेगूसराय में इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ–साथ मेडिकल कॉलेज भी खोला जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी आपसी प्रेम, सद्भाव बनाये रखिये, हिंसा से कुछ हासिल नहीं होगा। प्रेम, सदभाव एवं भाईचारा का माहौल बना रहना चाहिये।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री श्याम रजक, विधायक श्री नरेन्द्र सिंह उर्फ बोगो सिंह, पूर्व विधान पार्षद श्री रूदल राय, अर्थशास्त्री श्री शैवाल गुप्ता, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

******